SAMARPIT

Centre for Poverty Alleviation and Social Research

ANNUAL REPORT

FY : 2022 - 2023

Registered Address -

SAMARPIT,

37,GEETANJALI ENCLAVE,

RING ROAD NO. - 2,

BILASPUR (C.G.) 495 001

Tele.: (07752) 402731 , Mobile No. : 098934 28881

SAMARPIT VISION

OUR ALL AIMS AND OBJECTIVES, OUR ALL EFFORTS ARE DEDICATED TO MAKE THIS WORLD A BETTER PLACE TO LIVE IN.

ANNUAL REPORT 2022-2023

समर्पित – गरीबी उन्मूलन एवं सामाजिक अनुसंधान केन्द्र द्वारा वर्ष 2022 – 2023 में अनेक गतिविधियों, परियोजनाओं व कार्यक्रमों का संचालन व क्रियान्वयन सफलतापूर्वक किया गया। समर्पित संस्था की वर्ष 2022–23 में प्रमुख उपलब्धियों में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समर्पित संस्था को **वित्तीय साक्षरता केन्द्र परियोजना चरण दो** के छत्तीसगढ राज्य में क्रियान्वयन के लिये 50 विकासखण्डों में 17 नये वित्तीय साक्षरता केन्द्र प्रारंभ करनें का कार्यादेश प्रदान करना रहा। साथ ही समर्पित संस्था द्वारा भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय व आदिवासी कार्यमंत्रालय की अधीनस्थ संस्था TRIFED के द्वारा प्रोजेक्ट – शहद आधारित किसान उत्पाद संगठनों का गठन व संवर्धन के अंतर्गत बिलासपुर, सरगुजा व बीजापुर जिलों में निर्धारित समयसीमा में तीन किसान उत्पादक संगठनों का गठन करना रहा। वर्ष 2022–23 समर्पित के कार्यकर्ताओं नें महिलाओं के बीच में जाकर उनके सशक्तिकरण की दिशा में लगातार प्रयास किया व इसमें सफलता भी प्राप्त की।

समर्पित द्वारा वर्ष 2022–23 में संचालित किये गये कार्यक्रम, गतिविधियों व परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है :–

1. **वित्तीय साक्षरता केन्द्र (Centre For Financial Literacy) :- Scaling-up (Phase I & II)**

समर्पित द्वारा वित्तीय वर्ष 2022–23 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रायोजित **Scaling up of Centre For Financial Literacy Project – Phase I** अंतर्गत समर्पित संस्था द्वारा छत्तीसगढ राज्य के 23 जिलों में 25 वित्तीय साक्षरता केन्द्रों में वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम चलाया गया। जनवरी 2023 से समर्पित संस्था द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक के आदेशानुसार **Scaling up of Centre For Financial Literacy Project – Phase II** परियोजना के अंतर्गत नये 17 वित्तीय साक्षरता केन्द्र प्रारम्भ किये गये। प्रथम चरण कार्यक्रम में वित्तीय वर्ष 2022–23 में संस्था द्वारा समूह बैठकों, शिविरों, वन–टू–वन, कार्यशाला आदि माध्यमों सके कुल 379154 हितग्राहियों को व परियोजना के द्वितीय चरण कार्यक्रम में 22990 हितग्राहियों को वित्तीय साक्षर बनानें में सफलता अर्जित की ।

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को बैंक से जोडना, उन्हें बचत व ऋण की जानकारी देना, वित्तीय योजना व प्रबंधन में दक्ष करना, डिजीटल लेन देन की जानकारी, बैंक उपभोक्ताओं के संरक्षण

हेतु कार्य करना, बैंक उपभोक्ताओं को आवश्यकतानुसार सहयोग करना, साथ ही अन्य शासकीय वित्तीय योजनाओं, बीमा, बैंक की योजनाओं आदि की जानकारी देना है।

इस पायलट परियोजना के अंर्तगत ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम साक्षरता समिति का गठन किया गया व प्रत्येक ग्राम पंचायत में साक्षर मित्र भी बनाये गये, ताकि वित्तीय साक्षरता की प्रक्रिया उस ग्राम पंचायत में सत्त रुप से चलती रहे। परियोजना का क्रियान्वयन National Institute for Financial Education (NSFE) के 5 Cs – Content, Capacity, Communication, Collaboration and Community को शामिल करके किया जा रहा है।

2. आउटरीच एण्ड ड्राप–इन–सेंटर (Outreach and Drop in Centre)

समर्पित संस्था द्वारा वर्ष 2022–23 में भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा **National Action Plan for Drug Demand Reduction (NAPDDR)** के अंतर्गत **OUTREACH AND DROP IN CENTRE (ODIC)** परियोजना का बिलासपुर जिले में क्रियान्वयन सफलता पूर्वक किया गया। संस्था द्वारा बेसलाईन सर्वे / डिमांड सर्वे के माध्यम बिलासपुर में नशा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में प्रमुख स्टेक होल्डर्स जैसे पुलिस, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, आंगनबाडी कार्यकर्ता, मितानीन, जन प्रतिनिधियों, समाज सेवक, एन.जी.ओ. आदि से मिलकर नशीली दवाओं एवं मादक पदार्थो के उपयोगकर्ताओं के स्थल विश्लेषण कर संख्या की जानकारी ली गयी जिस आधार पर प्रोजेक्ट के हॉट स्पॉट का चयन किया जाकर परियोजना चलायी जा रही है।

परियोजना टीम द्वारा सोशल मेपिंग, एडवोकेशी, नेटवर्किंग आदि माध्यमों से परियोजना की कार्ययोजना बनाकर कार्य प्रारम्भ किया गया। साथ ही संस्था द्वारा नशीली दवाओं की मांग में कमी लानें हेतु राष्टीय कार्ययोजना संकेद्रित हस्तक्षेप कार्यक्रम के लिये परियोजना गाइडलाइंस के अनुसार सूचना, शिक्षा व संचार सामग्रियों के रुप में पोस्टर व पाम्पलेट का प्रकाशन करवाया ताकि इसके माध्यम से परियोजना के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके ।

परियोजना टीम द्वारा बिलासपुर शहर के मादक द्रव्यों की मांग की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में मादक पदार्थ उपयोगकर्ताओं से मिलकर उनकी समस्याओं को समझा एवं उन्हे आउटरीच एण्ड ड्राप इन सेन्टर (ODIC) की पूर्ण जानकारी देते हुये उन्हे ODIC में आने के लिये प्रेरित किया गया है। साथ ही बेस लाइन असेसमेंट फार्म में हितग्राहियों की जानकारी भरकर उनकी लाइन लिसिटिंग की गयी। वर्ष 2022–23 में परियोजना टीम द्वारा निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा कुल **4219 हितग्राहियों** से संपर्क कर उनकी लाइन लिसिटिंग की गई।

ODIC में परियोजना के चिकित्सक द्वारा **678 हितग्राहियों** की स्क्रीनिंग व असेसमेंट किया गया। वर्ष 2022–23 में ODIC में कुल 1228 हितग्राहियों की व्यक्तिगत व हितग्राहियों की सामूहिक व 423 फैमिली काउंसलिग की गई। हितग्राहियों की स्वास्थ्य व चिकित्सा की बुनियादी जानकारी, उसके द्वारा उपयोग किये जानें वाले मादक द्रव्य की जानकारी, उपयोग की विधि, पूर्व में किया जाने वाला परहेज, पूर्व में प्राप्त सहायता, उसका व्यवहार व अन्य जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही उनके द्वारा हितग्राहियों को परामर्श के माध्यम से नशीली दवाओं के दूष्परिणाम से परिचित कराते हुये नशीली दवाओं एवं मादक पदार्थो के नियमित उपयोग न करने के लिये सलाह दी गयी।

3.भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों व बाल श्रमिकों का सर्वेक्षण (Survey of Begging & Child Labour) :-

समर्पित द्वारा वित्तीय वर्ष 2022–23 में बिलासपुर जिले में भिक्षावृत्ति में संलग्न व्यक्तियों व बच्चों का सर्वे किया गया। इस वर्ष कुल 51 व्यक्तियों व 26 बच्चों को भिक्षावृत्ति में संलग्न पाया गया। इन बच्चों को चाइल्डलान के माध्यम से काउंसलिंग कराकर उन्हें शिक्षा से जोडनें का प्रयास किया गया। 52 व्यस्क व्यक्तियों की लाइन लिस्टिंग करके उन्हें शासन की सामाजिक सुरक्षा की विभिन्न योजनाओं से जोडा गया। साथ ही भिक्षावृत्ति में संलग्न 12 महिलाओं को घरेलु श्रमिक का कार्य दिलवाकर उन्हें रोजगार से जोडा गया।

समर्पित द्वारा बिलासपुर जिले में बाल श्रमिकों का सर्वेक्षण कार्य किया गया। इसके अंर्तगत कुल 78 बाल श्रमिक बच्चों का सर्वे करके बच्चों की प्रोफाइल तैयार की गई। इस सर्वे कार्य के दौरान पन्नी बिनने वाले, कबाडी कार्य, होटल व दुकानों में कार्य, घरेलु कार्य, घुमन्तु बच्चे, आदि श्रेणी के बच्चे मिले जिन्हें सूचीबद्ध करके प्रोफाइल तैयार की गई।

4.किसान उत्पादक संगठनों का गठन व संवर्धन (Formation and Promotion of Farmer Production Organization -FPOs) :-

वर्ष 2022–23 में भारत सरकार के कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय की 10000 किसान उत्पादक संगठनों (FPO)का गठन और संवर्धन परियोजना के अंतर्गत नोडल एजेंसी TRIFED (आदिवासी कार्यमंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त संस्था) के सहयोग से समर्पित संस्था द्वारा छत्तीसगढ राज्य में शहद आधारित

किसान उत्पादक संगठनों (FPO)का गठन और संवर्धन परियोजना के क्रियान्वयन सफलतापूर्वक किया गया ।

संस्था द्वारा छत्तीसगढ राज्य के बिलासपुर, सरगुजा व बीजापुर में फील्ड पर शहद उत्पादन व इसमें रुचि रखनें वाले किसानों का चिन्हाकन, उनके साथ जागरुकता बैठकें, प्रशिक्षण के द्वारा उनकी क्षमता व दक्षता विकास कार्य के साथ, बिलासपुर जिले में 320 किसानों के 16 किसान हित समूहों (FIGs) ,सरगुजा जिले में 300 किसानों के 15 किसान हित समूहों व बीजापुर जिले में 300 किसानों के 15 किसान हित समूहों के गठन का कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कर दिया गया है।

संस्था द्वारा परियोजना के अंतर्गत तीनों किसान उत्पादक संगठनों के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स का चयन कर तीनों FPOs का पंजीयन कंपनी एक्ट के अंतर्गत कराया गया। संस्था द्वारा लगातार किसानों के बीच जाकर उनकी क्षमता व दक्षता विकास का प्रयास किया जाता रहा और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स व किसानों को शहद उप्पादन व उसका विपणन का प्रशिक्षण भी दिया गया। संस्था द्वारा तीनों FPOs का बिजनेस प्लान तैयार करके कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय सहित TRIFED को प्रस्तुत किया गया।

5.चाइल्डलाइन 1098 परियोजना, बिलासपुर (CHILDLINE 1098 PROJECT, BILASPUR) :-

समर्पित द्वारा भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की **मिशन वात्सल्य** योजना के अंतर्गत चाइल्डलाइन 1098 परियोजना का संचालन वर्ष 2022–23 में सफलतापूर्वक किया गया।

चाइल्डलाइन बिलासपुर द्वारा वर्ष 2022–23 में कुल 16 प्रकरण Protection from Abuse के, पुर्नवास के 81 प्रकरण एवं 21 Missing Children **व बाल विवाह** के 13 प्रकरणों का मामला सुलझाने में सफलता पाई गई। साथ ही भिक्षावृत्ति के 04 प्रकरणों व बाल श्रमिक के 09 प्रकरणों में चाइल्डलाइन ने हस्तक्षेप किया। वर्ष 2022–23 में चाइल्डलाइन द्वारा कुल **231** case को पंजीकृत कर इनका Intervention और Follow-up किया गया।

वर्ष 2022–23 में चाइल्डलाइन द्वारा ''चाइल्डलाइन से दोस्ती'' सप्ताह मनाया गया, जिसके अंतर्गत बिलासपुर के पूर्व मंत्री श्री अमर अग्रवाल सहित पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक, महिला एवं बाल कल्याण विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी व अनेकों प्रशानिक व पुलिस अधिकारियों, जन–प्रतिनिधियों, समाज सेवियों, प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक्स मीडिया आदि को फ्रेण्डशिप बेण्ड बांधकर उन्हें चाइल्डलाइन का दोस्त बनाया गया।

चाइल्डलाइन द्वारा लोगों को बाल सुरक्षा व संरक्षण के प्रति जागरूकता करने के उद्‌देश्य से जन–जागरण कार्यक्रम, स्कूल चलो रैली, बाल स्वास्थ्य शिविर, बाल विवाह रोकथाम अभियान, बालिका दिवस, माहवारी जागरुकता कार्यक्रम, पोषण मेला आदि कार्यक्रम आयोजित किया गया और लोगों को चाइल्डलाइन 1098 सर्विस से जोड़ने का प्रयास किया गया।

चाइल्डलाइन द्वारा बच्चों की समस्याओं का निराकरण ढूँढने, के लिये उन्हीं के बीच जाकर '' खुला मंच '' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहॉ पर बच्चों के द्वारा ही खेल–खेल में उनकी समस्यायें पूछ कर उसका निराकरण करने का प्रयास किया गया। साथ ही समुदाय समूह, बाल समूह, महिला समूह, स्वैच्छिक कार्यकर्ता आदि समूहों के साथ बैठक कर उन्हें चाहल्डलाइन से जोडनें का प्रयास किया। ज्ञात हों कि इस परियोजना का संचालन **चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन** के सहयोग से किया जा रहा है।

6.एच. आई. व्ही./एड्स–लक्षित हस्तक्षेप परियोजना (HIV/AIDS – Targated Intervention Project) -

समर्पित द्वारा National AIDS Control Organisation (NACO) व छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से बिलासपुर में लक्षित हस्तक्षेप परियोजना का संचालन वर्ष 2022 –23 में सफलतापूर्वक किया गया। इस परियोजना के अंतर्गत **1471 Female Sex Workers** पर कार्य किया गया।

समर्पित द्वारा वर्ष 2022 –23 में चिन्हांकित **1471** FSW का ICTC, RMC, Counselling व Condom Promotion की सर्विस दी गई, वही DIC Meeting समूह चर्चा, Demand Generation, Advocasy, Crises Management आदि गतिविधियों के माध्यम से उनके व्यवहार परिवर्तन का प्रयास किया गया। समर्पित संस्था द्वारा परियोजना के माध्यम से कुल 57 एच.आई.व्ही. पॉजिटिव महिलाओं को चिन्हित करके उनका नियमित ईलाज करवाया जा रहा है।

समर्पित द्वारा इस परियोजना में समुदाय की सहभागिता बढ़ाने के लिये सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिसके मार्फत से Female Sex Workers को अपनी–अपनी समस्याओं को आपस में साझा करने का अवसर प्राप्त हुआ। समर्पित द्वारा इस वर्ष समुदाय के महिला स्व–सहायता समूहों का गठन कराया गया साथ ही उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत प्रशिक्षित भी किया गय, साथ ही जरुरतमंद Female Sex Workers को वित्तीय साक्षरता विषयक प्रशिक्षण भी दिलवाया गया।

7. चाइल्डलाइन 1098 सर्विस, जशपुर (CHILDLINE 1098 SERVICE, JASHPUR) –

समर्पित द्वारा भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की **मिशन वात्सल्य** योजना के अंतर्गत चाइल्डलाइन 1098 सर्विस का संचालन आदिवासी बाहुल्य जिला जशपुर में वर्ष 2022–23 में सफलता पूर्वक किया गया। चाइल्डलाइन जशपुर द्वारा लगातार वर्ष भर बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण की दिशा में कार्य किया जाता रहा।

चाइल्डलाइन जशपुर द्वारा वर्ष 2022–23 में बच्चों से संबंधित कुल 264 Case में Intervention और Followup **किया गया।** जिसमें से कुल 35 प्रकरणों में FIR दर्ज करायी गई वहीं 41 बच्चों को शेल्टर व 20 बच्चों का पुर्नवास करनें में सफलता पाई । साथ ही Child Marriege के 16 प्रकरणों, बाल श्रमिक के 21 प्रकरणों व Child Trafficking के 07 प्रकरणों में चाइल्डलाइन द्वारा Intervention किया गया।

चाइल्डलाइन जशपुर द्वारा बच्चों व उनें अभिभावकों के बीच कुपोषण, डायरिया, कोविड 19 संक्रमण से सुरक्षित रहनें विषयक जन–जागरुकता अभियान चलाया गया और सुरक्षा की दृष्टि से फेश मास्क, हेण्ड सैनेटाइजर आदि सहित आवश्यकता वाले बच्चों के परिवार को सुखी राशन सामग्री, सब्जियां, दवाईयां आदि का वितरण किया गया।

चाइल्डलाइन जशपुर द्वारा बाल अधिकारों एवं बाल संरक्षण व सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिये रैली, मीटिंग, खुला मंच, पाम्पलेट वितरण, आउटरीच आदि माध्यमों से वर्षभर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। चाइल्डलाइन से दोस्ती कार्यक्रम के तहत विधायक श्री विनय राम भगत, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित अनेकों अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को चाइल्डलाइन दोस्त बनाया गया। चाइल्डलाइन से दोस्ती सप्ताह के दौरान चाइल्डलाइन द्वारा मानव तस्करी व बाल श्रम के विरुद्ध हस्ताक्षर अभियान

चलाया गया और लोगों से इस अभियान में सहभागिता सुनिश्चित करनें का निवेदन किया गया। चाइल्डलाइन जशपुर द्वारा आवश्यकता वाले कई बच्चों का निःशुल्क चिकित्सकीय ईलाज करवाया गया वहीं अनेकों बच्चों को निशुल्क शिक्षा के लिये निजी विद्यालयों में दाखिला करवाया गया। साथ ही चाइल्डलाइन द्वारा प्रतिमाह पंचायत स्तरीय बैठक, बाल समूह, महिला समूह, अभिभावक समूह, रैली व रोड शो के माध्यम से लोगों को चाइल्डलाइन से जोडनें का प्रयास किया गया। ज्ञात हो कि चाइल्डलाइन इंडिया फाउण्डेशन के सहयोग से संचालित इस परियोजना के लिये वर्ष 2022–23 उपलब्धियों से भरा रहा।

8.रेल्वे चाइल्डलाइन, बिलासपुर (RAILWAY CHILDLINE, BILASPUR) -

समर्पित द्वारा वित्तीय वर्ष 20122–23 में भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की **मिशन वात्सल्य** योजना के अंतर्गत चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन व दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे के सहयोग से बिलासपुर रेल्वे स्टेशन में रेल्वे चाइल्डलान परियोजना का कियान्वयन सफलतापूर्वक किया गया।

रेल्वे चाइल्डलाइन बिलासपुर द्वारा वर्ष 2022–23 में बच्चों से संबंधित कुल 232 Case में Intervention और Followup **किया गया।** जिसमें से कुल 192 प्रकरणों में बच्चों का पुर्नवास कराया गया, Child Lost के 08 प्रकरण, भिक्षावृत्ति के 19 प्रकरण व 29 प्रकरणों में Production from Abuse की सेवायें प्रदान करने में सफलता पाई गई। रेल्वे चाइल्डलाइन द्वारा कोविड–19 संक्रमण काल के दौरान रेल्वे परिक्षेत्र की झुग्गी झोपडी क्षेत्रों में कोरोना से बचाव की जानकारी दी गई एवं आवश्यकतानुसार उन्हें राहत सामग्रियों जैसे सूखा राशन, फल, सेनेटाइजर, मास्क, सेनेटरी नेपकिन आदि का वितरण किया गया।

रेल्वे चाइल्डलाइन द्वारा बाल अधिकारों एवं बाल संरक्षण व सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिये रैली, मीटिंग, खुला मंच, पाम्पलेट वितरण, आउटरीच आदि माध्यमों से वर्षभर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। **चाइल्डलाइन से दोस्ती कार्यक्रम** के तहत कलेक्टर, जिला कार्यक्रम अधिकारी, दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे के सहायक वाणिज्य प्रबंधक, डी.सी.एम., मुख्य स्टेशन मास्टर, सहित अनेकों अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को चाइल्डलाइन दोस्त बनाया गया।

रेलवे चाइल्डलाइन द्वारा प्रतिमाह पंचायत स्तरीय बैठक, बाल समूह, महिला समूह, अभिभावक समूह, रैली व रोड शो के माध्यम से लोगों को चाइल्डलाइन से जोडनें का प्रयास किया गया।

09.<u>''नई रोशनी'' अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास योजना</u>
(NAI ROSHNI – Scheme For Leadership Development of Minority Women)

वर्ष 2022–23 में <u>समर्पित</u> द्वारा भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की योजना '' नई रोशनी'' अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास योजना के हितग्राहियों के बीच Hand Holding मीटिंग आयोजित की गई। हितग्राहियों का फालोअप किया गया व उन्हें शासन की नई योजनाओं की जानकारी दी गई।

समर्पित संस्था द्वारा भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की नई रोशनी योजना के अंर्तगत विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य पर अल्पसंख्यक महिलाओं सहित अन्य महिलाओं के बीच अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य कार्यक्रम सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम बिलासपुर के लिंगियाडीह में आयोजित किया गया जिसकी थीम **महिला उत्थान व उनमें बदलाव** थी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्लम क्षेत्र की अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं सहित अन्य का सामाजिक व स्वास्थ्यगत सशक्तिकरण करना था।

इस कार्यक्रम में महिलाओं को वन–टू–वन, लेक्चर, प्रस्तुतीकरण, खेल–खेल में आदि माध्यमों से शिक्षा, रोजगार व आजीविका संबंधी अधिकारों की जानकारी, केन्द्र व राज्य सरकार की महिलाओं के हितार्थ शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण, टीकाकरण, परिवार नियोजन, रोग नियंत्रण आदि कार्यक्रमों की जानकारी, पंचायतों व नगर निगम/पालिकाओं में महिलाओं की भूमिका, महिलाओं के कानूनी अधिकार, सूचना का अधिकार, बी.पी.एल. सर्वे, स्मार्ट कार्ड,स्वच्छ भारत, डिजिटल इंडिया, बैंक संबंधी कार्य, विभिन्न शासकीय कार्यालयों की कार्य प्रणाली व संरचना आदि की जानकारी दी गयी। साथ ही महिलाओं को उनसे संबंधित स्वास्थ्यगत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में महिलाओं के लिये कई तरह की प्रतियोगिता जैसे रंगोली, मेहन्दी, डांस, वाद–विवाद आदि का आयोजन किया गया और प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किया गया।

10. <u>लिंक वर्कर स्कीम (LINK WORKER SCHEME)</u> -

समर्पित द्वारा वर्ष 2022–23 में बिलासपुर जिले में लिंक वर्कर योजना का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक किया गया। National AIDS Control Organisation (NACO) व छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से संचालित इस परियोजना में कोटा, बिल्हा, तखतपुर व मस्तूरी के चिन्हित 100 गॉवों में कार्य किया गया।

इस परियोजना के माध्यम से <u>समर्पित</u> द्वारा HIV/AIDS की दृष्टि से संवेदनशील 100 ग्रामों को सूचीबद्ध कर वहां कि लक्षित समुदाय को ICTC, STI, ART आदि सेवाओं से जोड़ना व उनका फालोअप प्रारंभ कर दिया है साथ ही लक्षित ग्रामों मे इस महत्वपूर्ण योजना से जनमानस को अवगत कराते हुये ग्राम में एच.आई.व्ही./एड्स यौन संक्रमण आदि विषयक चर्चा के लिये अनुकूल वातावरण निर्माण का प्रयास किया गया।

वर्ष 2022–23 में उच्च जोखिम समूह के नये <u>18966</u> (FSW-288, IDU-24, MSM-45, TG-02, Migrant - 9094, Trucker-471, TB-87, ANC-4912 & Other Vurnable Population -3811) लोग पंजीकृत किये गये। इस परियोजना के माध्यम से कुल <u>232</u> व्यक्ति HIV Positve पाये गये हैं, जिनहें ART Centre से लिंकेज कराकर उनका लगातार फालाअप किया जा रहा है। संस्था द्वारा निरंतर Health Camps व Community Based Screening के माध्यम से लगातार समुदायों के बीच HIV जॉच का कार्य करवाया जा रहा है।

11. खुला आश्रय गृह (बालक) (Open Shelter Home - Boys) -

समर्पित द्वारा भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की **मिशन वात्सल्य** योजना के अंतर्गत संचालित खुला आश्रय गृह (बालक) का बिलासपुर में संचालन वर्ष 2022–23 में सफलतापूर्वक किया गया। इस वर्ष आश्रय गृह के बच्चों के संतुलित पोषण व भ्रमण मनोरंजन पर विशेष ध्यान दिया गया। बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। संरक्षित बच्चों की नियमित काउंसलिंग कराकर उनकी मानसिक स्थिति को समझा गया और उन्हें मानसिक रुप से सुदृढ बनाकर समाज की मुख्य धारा से जोडने का प्रयास किया गया। इस वर्ष खुला आश्रय गृह में कुल **152** बच्चों ने आश्रय प्राप्त किया, जिनमें से 143 बच्चों का पुर्नवास कर दिया गया।

12. बाल गृह (बालिका) – (CHILDREN HOME - GIRLS) -

समर्पित द्वारा आदिवासी बाहुल्य जशपुर जिले में बाल गृह (बालिका) का संचालन भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की **मिशन वात्सल्य** योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। वर्ष 2022–23 में बालिकाओं के सर्वांगीण विकास का विशेष प्रयास किया गया।

इस वर्ष बाल गृह में कुल 28 बालिकाओं ने आश्रय प्राप्त किया, जिनमें से 06 बालिकाओं का पुर्नवास करा दिया गया, शेष बालिकायें बाल गृह में ही रह रही है।

बाल गृह में निवासरत् बालिकाओं का व्यक्तिगत देखरेख योजना बनाकर उनकी शिक्षा, संतुलित आहार, व्यवसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, भ्रमण–मनोरंजन, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों आदि माध्यमों से व्यक्तिगत विकास का सफल प्रयास संस्था द्वारा किया गया।

13. बाल गृह (बालक) – (CHILDREN HOME - BOYS) -

समर्पित द्वारा भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की **मिशन वात्सल्य** योजना के अंतर्गत जशपुर में इस वर्ष बाल गृह – बालक का संचालन सफलतापूर्वक किया गया। वर्ष 2022–23 में संरक्षित बालकों के सर्वांगीण विकास का विशेष प्रयास किया गया।

इस वर्ष बाल गृह में कुल 59 बालकों ने संरक्षण प्राप्त किया, जिनमें से 38 बालकों का पुर्नवास करा दिया गया, शेष बालक बाल गृह में ही रह रहें है। बालक गृह में पूरे वर्षभर विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों गायन, लेखन, चित्रकला आदि सहित खेलकूद का आयोजन किया गया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी बालक गृह के बच्चों ने भाग लिया। बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता रहा। भ्रमण व मनोरंजन कार्यक्रम के अंर्तगत बच्चों को पिकनिक व अन्य ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया गया।

14. HIV/AIDS – TRANSIT MIGRANT INTERVENTION PROJECT -

समर्पित द्वारा National AIDS Control Organisation (NACO) और छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से बिलासपुर जिले में TRANSTI MIGRANT INTERVENTTON PROJECT का क्रियान्वयन वर्ष 2022–23 में सफलतापूर्वक किया गया।

इस वर्ष बिलासपुर जिले से अन्य प्रांतो में पलायन करने वाले 14385 श्रमिक महिला पुरूषों को HIV/AIDS विषयक जानकारी देकर उन्हें एड्स से सुरक्षित करने का प्रयास किया गया। समर्पित के आउटरीच वर्कस द्वारा पलायन वादी श्रमिकों के मुख्य स्त्रोत क्षेत्र रेलवे स्टेशन व बस स्टैण्ड में प्रतिदिन जाकर व्यक्तिगत व समूह चर्चा एवं सूचना, शिक्षा व संचार सामग्री के माध्यम से श्रमिकों को HIV/AIDS विषयक जानकारी प्रदान की जाती है। इस परियोजना के प्रयासो से श्रमिक वर्ग में HIV/AIDS के विषय में काफी जागरूकता आई है।

15. सामाजिक गतिशीलता एवं संस्थागत विकास कार्यक्रम (Social Mobilization and Institution Development Programme) -

समर्पित द्वारा भारत सरकार के आवास एवं गरीबी उन्मूलन मंत्रालय की **दीनदयाल अंत्योदय योजना – राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन** के अंतर्गत स्रोत संस्था के रुप में बिलासपुर में सामाजिक गतिशीलता एवं संस्थागत विकास के अंर्तगत 144 महिला स्व सहायता समूहों का गठन किया गया था। वित्तीय वर्ष 2022–23 में संस्था द्वारा इन समूहों का फालोअप किया गया एवं इनका बैंक लिंकेज करवाया गया। साथ ही इन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोडनें का प्रयास किया गया।

16. महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम (WOMEN EMPOWERMENT PROGRAMME) -

समर्पित द्वारा स्वंय के संसाधनों से महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का क्रियान्वयन विगत दस वर्षो से किया जा रहा है, इसी के अंतर्गत वर्ष 2022–23 में संस्था द्वारा बिलासपुर शहर के विभिन्न झुग्गी–झोपड़ी बाहुल्य क्षेत्रो में निशुल्क क्षमता व दक्षता उन्नयन कार्यक्रम चलाया गया जिससे 500 से ज्यादा महिलाओं लाभान्वित हुई।

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से संस्था का प्रयास रहा कि गरीबी रेखा के आसपास जीवन यापन करने वाली महिलाओं को स्व–रोजगार के माध्यम से आत्म निर्भर बनाया जा सके। संस्था के प्रयासों से अनेको महिलायें आज स्व–रोजगार अपनाकर सशक्त होकर समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है।

17. महिला स्व–सहायता समूहों का गठन – (Formation of Women Self-Help Groups) -

समर्पित द्वारा स्व–पोषित योजना के अंतर्गत 500 महिला स्व–सहायता समूहों का गठन किया गया है। वर्ष 2022–23 में इस समूहों के कौशल उन्नयन के लिये विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत इन्हे प्रशिक्षित करने का प्रयास संस्था द्वारा किया गया। संस्था द्वारा वित्तीय वर्ष 2022 – 23 में महिलाओं के वित्तीय साक्षरता पर विशेष ध्यान दिया गया।

इन समूहों के लिये समय–समय में क्षमता विकास कार्यक्रम भी आयोजित किये गये तथा इन्हे स्व–रोजगार से जोड़ने का भी प्रयास किया गया। संस्था के प्रयासो से आज कई समूह गणवेश सिलाई, रेडी टू ईट, राशन दुकान का संचालन आदि कार्यो में संलग्न है।

18. TRAI के माध्यम से Consumer Education & Awareness कार्यक्रम –

समर्पित द्वारा वर्ष 2022–23 में TRAI के सहयोग से छत्तीसगढ राज्य के विभिन्न जिलों में **उपभोक्ता जागरुकता कार्यक्रम** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत स्तर पर किया गया। साथ ही समर्पित संस्था द्वारा TELECOM REGULATORY AUTHPRITY OF INDIA(TRAI) **के** Consumer Advocasy Group के सदस्य के रूप में लगातार बैठकों के माध्यम से टेलीकॉम उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। इसके अलावा TRAI द्वारा आयोजित Regional Workshop में शामिल होकर छत्तीसगढ़ प्रदेश के टेलीकॉम उपभोक्ताओं की समस्याओं को मजबूती से रखा गया। इसके साथ ही TRAI द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित Consumer Advocasy Programme में शामिल होकर उपभोक्ताओं को जागरूक किया गया।

संस्था के कार्यकर्ता टेलीकाम उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर उनके समाधान के लिये प्रयासरत् रहते हैं। साथ ही संस्था द्वारा संचालित विभिन्न परियोनाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं व सेमीनार में टेलीकॉम उपभेक्ताओं के हितार्थ जानकारी का संचारण भी विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है।

20. प्रौंढ़ शिक्षा कार्यक्रम (ADULT EDUCATTION PROGRAMME) -

समर्पित द्वारा वर्ष 2022–23 में भी प्रतिवर्ष की तरह अनुसूचित जाति वर्ग की तरह अनुसूचित जाति वर्ग की 25 महिलाओं के लिये निःशुल्क प्रौंढ शिक्षा कार्यक्रम चलाया गया। इसमें महिलाओं को अक्षर ज्ञान करवाकर उन्हें साक्षर बनाने में सफलता अर्जित की गई।

22. प्रेरणा योजना (PRERNA SCHEME) -

समर्पित द्वारा राष्ट्रीय जनसंख्या स्थिरता कोष के अंतर्गत संचालित ''प्रेरणा योजना'' के अंतर्गत वर्ष 2022–23 में झुग्गी–झोपड़ी बाहुल्य क्षेत्रों में लगातार जन–जागरण बैठक आयोजित कर लोगों को आदर्श परिवार नियोजन अपनाने को प्रेरित किया तथा इससे संबंधित शासकीय योजनाओं की जानकारी लोगों को दी गई।

23. स्वच्छ भारत अभियान –

समर्पित द्वारा भारत सरकार की मंशा के अनुरूप ''स्वच्छ भारत अभियान'' में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए विभिन्न झुग्गी झोपड़ी क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया गया तथा लोगो को इस महा अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया।

संस्था द्वारा बिलासपुर के स्लम क्षेत्रों के बच्चों व विद्यालय के बच्चों के बीच जाकर उन्हें स्वच्छ व स्वस्थ्य रहनें के लिये प्रेरित किया गया, साथ ही उनसें व उनके अभिभावकों से उनके आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखनें के लिये निवेदन किया गया। संस्था द्वारा लगातार स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया और लोगों को स्वच्छ भारत अभियान में अपनी सक्रिय सहभागिता तय करनें का अनुरोध किया गया।

संस्था के कार्यकर्ता सार्वजनिक स्थलों की सामूहिक रुप से सफाई करके लोगों को स्वच्छता अपनानें के लिये प्रोत्साहित किया।

24. विश्व एड्स दिवस (WORLD AIDS DAY) -

समर्पित द्वारा 01 दिसम्बर, 2022 को विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य पर जन–जागरण रैली निकाली गई। इस उपलक्ष्य पर पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्री अमर अग्रवल, सांसद श्री अरुण साव पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत अग्रवाल सहित अनेको अधिकारियो, जन–प्रतिनिधियो, मीडिया कर्मी, समाज सेवी आदि को रेड रिबन लगाकर उनसे एड्स उन्मूलन में सहयोग करने की अपील की गई।

25. <u>विश्व क्षय दिवस (World TB Day)</u> -

<u>समर्पित</u> द्वारा 24 मार्च, 2022 को विश्व क्षय दिवस के उपलक्ष्य पर जन–जागरण रैली निकाली गई। इस रैली के माध्यम से लोगो को टी.बी. रोग के प्रति सचेत किया गया और उनसे टी.बी. मुक्त देश के निर्माण में सहयोग देने की अपील की गई।

26. <u>**WORLD STREET CHIDREN DAY**</u> –

<u>**समर्पित**</u> द्वारा 12 अप्रैल, 2022 को World Street Children Day के उपलक्ष्य पर ''मस्ती की पाठशाला'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में Street Children को बुलाकर उनके साथ खुब मौज–मस्ती की गई। कार्यक्रम के अंत में बच्चो को मिष्ठान वितरित कर उन्हें शिक्षा से जुड़ने और समाज की मुख्य धारा में शामिल होने के लिये प्रेरित किया गया।

27. <u>समर्पित की राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय महत्व के निम्न कार्यक्रमों में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई गई</u> –

- स्वतंत्रता दिवस : 15 अगस्त, 2022
- गणतंत्र दिवस : 26 जनवरी, 2023
- गांधी जयंती : 02 अक्टूबर, 2022
- अम्बेडकर जयंती : 14 अप्रैल, 2022
- श्रम दिवस : 01 मई, 2022

- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस : 08 मार्च, 2023
- बालश्रम उन्मूलन दिवस : 12 जून, 2022
- बाल दिवस : 14 नवंबर, 2022
- नशा निषेध दिवस : 26 जून, 2022

- पल्स पोलियो जन–जागरण अभियान
- नशा विरोधी अभियान
- विश्व विकलांगता दिवस, ... आदि
- शत प्रतिशत मतदान अभियान
- स्वच्छ भारत अभियान

.... आदि

28. समर्पित द्वारा आयोजित अन्य कार्यक्रम –

(प्रशिक्षण, कार्यशाला, सेमीनार, परिचर्चा, रैली आदि)

वर्ष 2022–23 में समर्पित द्वारा निम्न कार्यक्रम आयोजित किये गये –

- मातृ–पितृ पूजन कार्यक्रम : 14 फरवरी, 2022
- सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण कार्यक्रम (निशुल्क)
- हाउस कीपिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम (निशुल्क)
- खाद्य सुरक्षा परिचर्चा : 25 सितंबर,2022
- महिला अधिकार संगोष्ठी : 08 मार्च, 2022
- कोविड 19 जनजागरण अभियान

... आदि

29. समर्पित संस्था को निम्न प्रमुख ऐजेंसियों की सदस्यता प्राप्त हुई –

- छत्तीसगढ राज्य विद्युत सलाहकार समिति
- उपभोक्ता सलाहकार समूह, भारत दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, भारत सरकार
- राज्य स्तरीय आश्रय स्थल निगरानी समिति, दीनदयाल अंत्योदय योजना – राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन
- नशामुक्त भारत अभियान समिति, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ

== 00 ==